IJAMSR

International Conference on Latest Trends in Engineering, Management, Humanities, Science & Technology (ICLTEMHST -2022)
27th November, 2022, Guwahati, Assam, India.

CERTIFICATE NO : ICLTEMHST /2022/C1122943

अध्यापकों की शैक्षिक अभिक्षमता का अध्ययन

GOVIND KUMAR RAJBHAR

Research Scholar, Department of Education,
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P.

सारांश

किसी देश को सही दिशा में आकार देने और निर्देशित करने में शिक्षा एक महत्वपूर्ण कारक है। शिक्षक एक शिक्षित और शिक्षित समाज की नींव स्थापित करने और सीखने में गुणवत्ता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। शिक्षण पेशा अन्य सभी व्यवसायों के लिए एक बिल्डिंग ब्लॉक है। शिक्षण की गुणवत्ता छात्रों के भविष्य को आकार देती है और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए तैयार करती है। संयुक्त राज्य अमेरिका के एक पूर्व राष्ट्रपति, बिल क्लिंटन ने सितंबर 1996 में कहा था कि हर बच्चे की जरूरत है – और योग्य है – समर्पित, उत्कृष्ट शिक्षक, जो अपने विषय को जानते हैं, उन्हें प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित किया जाता है कि कैसे उच्च मानकों को पढ़ाया जाए और छात्रों के लिए सीखने को जीवंत बनाया जाए। शिक्षण पेशे की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए शिक्षकों के लिए सतत शिक्षा पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है। किसी राष्ट्र की संपत्ति इस बात पर निर्भर करती है कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए उसके युवा दिमागों को कितनी प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित और शिक्षित किया जाता है। इतनी बड़ी जिम्मेदारी के साथ टीचिंग प्रोफेशन को मजबूत करना बहुत जरूरी है।